पाठ-योजना

अध्यापिका/अध्यापक :

पुस्तक : उड़ान हिंदी पाठमाला भाग-8

विषय : हिंदी **दिनांक** : .....

उपविषय : शहीद का संदेश, पाठ-16 **अवधि** : 3-4 वादन

पाठ संख्या	सुनना, बोलना और पढ़ना	चिंतन	लिखना	गतिविधियाँ	जीवन मूल्य तथा पारिवारिक, सामाजिक व राष्ट्रीय चेतना
16.	पठन-पाठन, शुद्ध उच्चारण, स्वतंत्रता संग्राम की चर्चा, मुख्य संदेश बताना, प्रश्नोत्तर।	संदेश, चरित्र-चित्रण, चिंतनात्मक पठन, प्रतिक्रिया, प्रत्यास्मरण, निष्कर्ष, आशय।	शुद्ध रूप, भाववाचक संज्ञा, उर्दू शब्दों का वाक्य प्रयोग, संज्ञा शब्द से क्रिया शब्द बनाना, गद्यांश पर आधारित, अति लघु, लघु तथा निबंधात्मक प्रश्न।	भगत सिंह के जीवन की घटनाओं पर चर्चा, नाट्य रूपांतरण, लेखन, सोच-विचार।	स्वदेश प्रेम, माता-पिता का आदर, त्याग।

सामान्य उद्देश्य :

1. छात्रों में शुद्ध वाचन तथा पढ़ने-लिखने के कौशल का विकास करना।
2. अपने विचारों को सही प्रकार से प्रकट करने का ज्ञान व अभ्यास कराना।
3. वर्तनी संबंधी अशुद्धियों को दूर करने का प्रयास करना।
4. छात्रों के शब्द भंडार में वृद्धि करना।
5. प्रश्नों के उत्तर को भली-भाँति लिखने का अभ्यास कराना।

विशिष्ट उद्देश्य :

1. इस पाठ के द्वारा पत्रों के माध्यम से महान सपूत, स्वतंत्रता के पुजारी सरदार भगत सिंह के महान चरित्र और पवित्र विचारों का परिचय देना तथा पत्र लिखने की विधि से अवगत कराना।
2. शुद्ध शब्द, भाववाचक संज्ञा तथा उर्दू शब्दों का हिंदी पर्याय का बोध कराना। और संज्ञा शब्दों से क्रिया शब्द बनवाना।

सहायक सामग्री : श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर, चार्ट आदि।

पूर्वज्ञान-परीक्षा : अध्यापिका/अध्यापक छात्रों की पूर्वज्ञान परीक्षा लेने के लिए छात्रों से पूछेंगे कि सरदार भगतसिंह कौन थे? उनके बारे में आप क्या जानते हैं? उन्होंने अपने देश के लिए क्या किया? आदि।

उद्देश्य-कथन : अध्यापिका/अध्यापक प्रश्नों के उत्तर संतोषजनक या असंतोषजनक पाकर अपने उद्देश्य की घोषणा करेंगे कि बच्चो, आज हम 'शहीद का संदेश' पाठ-16 का अध्ययन करेंगे।

कॉरडोवा सी.डी. (CD) के माध्यम से पाठ को दर्शाएँगे।

शिक्षण-बिंदु : 'शहीद का संदेश' पाठ-16 के प्रश्नों के उत्तर छात्रों की सहायता लेते हुए कराए जाएँगे।

अध्यापिका/अध्यापक क्रियाएँ	छात्र-क्रियाएँ
प्र.1. मुकदमा कब और कहाँ शुरू होगा?	उ. मुकदमा 7 मई और जेल के अंदर ही शुरू होगा।
प्र.2. फाँसी चढ़ने से किसकी तादाद बढ़ जाएँगी?	उ. फाँसी चढ़ने से देश की आज़ादी के लिए कुर्बानी देने वालों की तादाद बढ़ जाएँगी।
प्र.3. 26 अप्रैल, 1929 को भगत सिंह ने किसको पत्र लिखा?	उ. 26 अप्रैल, 1929 को भगत सिंह ने अपने पिता जी को पत्र लिखा।

पाठ पढ़ाने के पश्चात–

मौखिक : सर्वप्रथम अध्यापिका/अध्यापक कठिन शब्दों का उच्चारण कराएँगे तथा पाठ से संबंधित मौखिक प्रश्न पूछेंगे।

जैसे– प्र. अनुमान लगाइए कि भगत सिंह अपने पिता से किस विषय पर मशविरा लेना चाहते होंगे?

उ. बच्चे अपनी समझ के अनुसार अनुमान लगाकर उत्तर देंगे।

इसी प्रकार से सभी प्रश्नों को मौखिक रूप में पूछेंगे।

लिखित : प्रत्येक प्रश्नों के उत्तर लिखित रूप में करवाने से पहले मौखिक रूप में पूछेंगे। तत्पश्चात लिखवाएँगे।

1. उच्चारण के आधार पर शुद्ध शब्द में गोला लगवाएँगे।
2. भाववाचक संज्ञा पर सही (✓) का निशान लगवाएँगे।
3. उर्दू शब्दों के हिंदी पर्याय में सही (✓) का निशान लगवाकर वाक्य में प्रयोग करवाएँगे।
4. संज्ञा शब्दों से उचित क्रिया शब्द बनवाएँगे।
5. **कॉरडोवा सी.डी. (CD)** के माध्यम से संकेत गद्यांश को दर्शाएँगे। तत्पश्चात प्रश्नों के उचित उत्तर में सही (✓) का निशान लगवाएँगे।
6. अति लघु, लघु तथा निबंधात्मक प्रश्नों को भली–भाँति समझाएँगे। तत्पश्चात प्रश्नों के उत्तर लिखवाएँगे।

आओ अब कुछ बात करें : स्वतंत्रता सेनानियों से संबंधित घटना पर क्लास में चर्चा करने के लिए कहेंगे।

परियोजना निर्माण : पत्रों के प्रकारों से अवगत कराएँगे तथा अपने क्षेत्र के थाना अध्यक्ष को पत्र लिखकर साइकिल चोरी की सूचना देने के लिए कहेंगे।

भगत सिंह एवं उनके साथियों द्वारा असेंबली में बम फेंकने वाली घटना का नाट्य रूपांतरण लिखकर मंचन करने के लिए कहेंगे।

निष्कर्ष : स्वतंत्रता के पुजारी सरदार भगत सिंह के महान चरित्र और पवित्र विचारों से अवगत हुए। तथा पत्र लिखने की विधि को जाना।

शुद्ध शब्द, भाववाचक संज्ञा तथा उर्दू शब्दों का हिंदी पर्याय का बोध हुआ और संज्ञा शब्दों से क्रिया शब्द बनाना सीखा।

कक्षा-कार्य निरीक्षण : अध्यापिका/अध्यापक कक्षा में छात्रों को लिखवाए गए प्रश्नों के उत्तर का निरीक्षण करेंगे तथा अशुद्धियों को ठीक कराएँगे।